एक नजर में

पोदार इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने रचा इतिहास, वंशिका सेठी बनीं स्कूल टॉपर

खंडवा। पोदार इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने इस वर्ष की सीबीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षा में अपनी मेधा का परचम लहराते हुए विद्यालय को गौरवान्वित किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस वर्ष शत-प्रतिशत रहा, जिसमें कुल सम्मिलित 42 विद्यार्थियों में से 17 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए। विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा वंशिका सेठी ने कुल 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया और विशेष रूप से सामाजिक विज्ञान विषय में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक क्षमता का परिचय दिया। इसी क्रम में धैर्य अग्रवाल और मनन घिया ने 97.2 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जहाँ धैर्य अग्रवाल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय में 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया। गौरांग माहेश्वरी ने 96.6 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पाया, जबकि भव्य गोयल और आन्या लाड ने 95.6 प्रतिशत अंक हासिल कर संयुक्त रूप से चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।इस शानदार उपलब्धि पर मध्यप्रदेश हब के जनरल मैनेजर राजेश्वर शर्मा और विद्यालय की प्राचार्या समीरा बख्त ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों के क? परिश्रम, शिक्षकों के सटीक मार्गदर्शन और अभिभावकों के निरंतर सहयोग को दिया।

रोहाणी की उर्वशी ने 10वीं में शानदार सफलता हासिल की

खंडवा। रोहाणी ग्राम की प्रतिभाशाली छात्रा उर्वशी गुर्जर ने एमपी बोर्ड की कक्षा 10वीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 500 में से 465 अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर अपने माता-पिता और गांव का नाम गौरवान्वित किया। उर्वशी, पिता अखिलेश गुर्जर एवं माता कुसुम गुर्जर की पुत्री हैं और चिचगोहन भेरूखेड़ा विद्यालय की छात्रा हैं। शिक्षकों ने उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन की सराहना की है। परिवार और ग्रामीणों ने उर्वशी को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

गौरी पालीवाल को 12वीं में 92 .40 प्रतिशत अंक प्राप्त

खंडवा। कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम में खंडवा की छात्रा गौरी पालीवाल ने 92.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। गौरी की इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। पिता मनोज पालीवाल व परिजनों ने मिठाई बांटकर खुशी व्यक्त की। शिक्षकों ने भी उनकी मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों को मिलेगी 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि

खण्डवा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए सुपर 5000 योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 25 हजार रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। योजना के नियमानुसार, कक्षा 10वीं की राज्य स्तरीय मेरिट में टॉप 5000 में स्थान पाने वाले विद्यार्थी इसके पात्र होंगे। वहीं, कक्षा 12वीं के लिए विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय की टॉप 5000 की सूची में शामिल होना अनिवार्य है। इस योजना का लाभ उन विद्यार्थियों को मिलेगा जिनके माता-पिता परीक्षा परिणाम आने से पूर्व मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकृत श्रमिक हैं और छात्र ने मध्यप्रदेश बोर्ड से परीक्षा उत्तीर्ण की है। पात्र विद्यार्थियों को श्रम सेवा पोर्टल www.labour.mp.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ मेरिट प्रमाण पत्र और संबंधित विद्यालय के प्राचार्य की अनुशंसा संलग्न करना आवश्यक है। योजना का लाभ लेने के लिए विद्यार्थियों को परीक्षा उत्तीर्ण करने के अगले वर्ष 31 मार्च तक आवेदन करना अनिवार्य है, इसके बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

ओंकारेश्वर में पांच दिवसीय आचार्य शंकर प्रकटोत्सव आज से

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे शुभारंभ

नवभारत न्यूज़

खंडवा। ओंकारेश्वर स्थित मांधाता पर्वत के एकात्म धाम में 17 से 21 अप्रैल तक पांच दिवसीय भव्य आचार्य शंकर प्रकटोत्सव का आयोजन किया जाएगा। संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास द्वारा आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ 17 अप्रैल को सुबह 9: 30 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम में द्वारका पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती, पद्मश्री निवेदिता भिड़े एवं स्वामी शारदानंद सरस्वती विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। समापन समारोह 21 अप्रैल को आयोजित होगा, जिसमें संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती सहित कई प्रमुख संत एवं गणमान्यजन शामिल होंगे।

अद्वैत दर्शन पर होगा गहन मंथन

महोत्सव के दौरान अद्वैतामृतम विमर्श श्रृंखला के तहत अद्वैत वेदांत के विभिन्न आयामों पर चर्चा की जाएगी। इसमें अद्वैत और जैन, सिख परंपरा, पर्यावरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता , वैश्विक शांति जैसे समकालीन विषयों पर विद्वान एवं संत अपने विचार साझा करेंगे। साथ ही युवा दृष्टिकोण, रामकृष्ण मिशन, रमण आश्रम और चिन्मय मिशन जैसे विषयों पर भी विशेष सत्र आयोजित होंगे।

700 से अधिक युवा बनेंगे 'शंकरदूत'-21 अप्रैल को वैशाख शुक्ल पंचमी के अवसर पर नर्मदा तट पर दीक्षा समारोह आयोजित होगा, जिसमें देश-विदेश के 700 से अधिक युवा 'शंकरदूत' के रूप में दीक्षित किए जाएंगे। इसी दिन अद्वैत वेदांत के प्रसार हेतु विशिष्ट व्यक्तित्वों का सम्मान भी किया जाएगा।

प्रतिदिन होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम-महोत्सव के दौरान प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इसमें शास्त्रीय गायन, गुरुवाणी, ओड़िसी, भरतनाट्यम, कर्नाटक संगीत एवं मणिपुरी नृत्य जैसी प्रस्तुतियां होंगी। प्रमुख कलाकारों में जयतीर्थ मेवुंडी, जसलीन कौर, पार्वती बाउल, रमा वैद्यनाथन और पद्मश्री हेमंत चौहान शामिल हैं। इस आयोजन के माध्यम से अद्वैत वेदांत की परंपरा को नई पीढ़ी और आधुनिक दृष्टिकोण से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक जागरूकता को बल मिलेगा।

महिला आरक्षण विधेयक निगम में सर्वसम्मति से पारित

नवभारत न्यूज

खंडवा। नगर पालिक निगम सभागृह में एक विशेष सम्मेलन हुआ। महापौर अमृता अमर यादव के नेतृत्व एवं सभापति अनिल विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा लाए गए ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन विधेयक का समर्थन करना था।

शुरुआत में सदन ने गायिका आशा भोंसले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात महापौर द्वारा सदन के समक्ष लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले इस विधेयक के समर्थन का प्रस्ताव रखा गया। महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए इस कदम का सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी पार्षदों ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर स्वागत किया और सदन ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को अपनी स्वीकृति प्रदान की। सम्मेलन में इस विधेयक के दूरगामी प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि यह निर्णय न केवल राजनीति में महिलाओं की भागीदारी ब?एगा बल्कि समाज की संरचनात्मक सोच में भी व्यापक सकारात्मक बदलाव लाएगा।

वक्ताओं ने रेखांकित किया कि 1952 की पहली लोकसभा में महिलाओं के न्यूनतम प्रतिनिधित्व से लेकर आज के वर्तमान स्तर तक का सफर इस विधेयक के माध्यम से अब एक नई ऊंचाई को छुएगा। विशेष रूप से यह भी चर्चा की गई कि पंचायत और नगरीय निकायों में महिलाओं को मिले पूर्व आरक्षण के सफल परिणामों ने ही इस बड़े राष्ट्रीय निर्णय का मार्ग प्रशस्त किया है। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष मुन्नू राठौड़ सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए इसे लोकतंत्र की समावेशी जीत बताया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महापौर अमृता अमर यादव ने प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि महिला की मजबूती ही परिवार, समाज और अंततः राष्ट्र की वास्तविक शक्ति का आधार है। सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिला पार्षद, पुरुष पार्षद, निगम सचिव सचिन सितौले एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में महिला सशक्तिकरण के संकल्प को दोहराया।

केनूद के पास सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिले का मांधाता क्षेत्र इन दिनों लगातार आपराधिक घटनाओं और हादसों के कारण सुर्खियों में बना हुआ है। क्षेत्र में लूट, चोरी, दुष्कर्म, अवैध गतिविधियों और सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं से आमजन में भय और आक्रोश का माहौल है।

पुनासा क्षेत्र में हथियारों के दम पर व्यापारी से लूट, पामाखेड़ी में स्कॉर्पियो सवारों का उत्पात, 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म, तीर्थनगरी में खुलेआम शराबखोरी और श्रद्धालुओं के साथ चोरी जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। वहीं डंपरों की आवाजाही से आए दिन सड़क हादसे भी हो रहे हैं। इसी बीच एक और दर्दनाक हादसा सामने आया है। मूंदी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम केनूद के पास नरसिंह आश्रम के नजदीक दो कारों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में जलवा बुजुर्ग निवासी पूर्व सरपंच सुमनबाई राठौर (58) और उनके पुत्र सौरभ राठौर (28) की मौके पर ही मौत हो गई।प्रा जानकारी के अनुसार राठौर परिवार के सदस्य बलेनो कार से जलवा बुजुर्ग से सिंगाजी जा रहे थे। इसी दौरान मूंदी से सनावद की ओर जा रही तेज रफ्तार थार ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बलेनो कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पलट गई। हादसे में सौरभ की बहन सारिका, रविंद्र (35) एवं एक अन्य रिश्तेदार रविंद्र (निवासी देशगांव) गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और घायलों को मूंदी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से तीन घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।घटना की खबर मिलते ही जलवा बुजुर्ग सहित आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। मूंदी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं और सड़क हादसों को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

मूंदी ब्लॉक कांग्रेस कार्यकारिणी घोषित, नए चेहरों को अवसर

मूंदी। कांग्रेस संगठन के विस्तार के तहत मुंदी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष उत्तम पाल सिंह की अनुशंसा पर ब्लॉक अध्यक्ष शैतान सिंह चौहान ने कार्यकारिणी की घोषणा की ।नई टीम में युवा और सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्रमुखता दी गई है। मूंदी नगर से आशाराम पटेल, त्रिलोक पटेल और कय्यूम शेख को उपाध्यक्ष बनाया गया है। रक्षा गुर्जर को सचिव, राजेश पटेल को सोशल मीडिया प्रभारी और पं. सिद्धांत कोठारी को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है ।इसके अलावा योगेंद्र पटेल को कोषाध्यक्ष, हुकुमचंद जाधव को उपाध्यक्ष तथा नारायण पटेल, कड़वाजी, गौरीशंकर साद, बापू पटेल, शक्तिसिंह गौड़, शिवराम यादव और कोमल सिंह को महासचिव बनाया गया है। वहीं रघुवीर सिंह राठौड़, धर्मेंद्र काजले, हौसिलाल यादव, इमरती बाई राठौर, अजय सगेड़िया, राकेश देवड़ा और कैलाश निमोले को सचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है ।ब्लॉक अध्यक्ष शैतान सिंह चौहान ने कहा कि नई टीम संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएगी।

गांव की बेटी और प्रतिभा किरण योजना के लिए 15 मई तक आवेदन

नवभारत न्यूज

खंडवा। उच्च शिक्षा विभाग ने गांव की बेटी एवं प्रतिभा किरण योजना के लिए स्कॉलरशिप पोर्टल दोबारा खोले जाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने गांव की बेटी एवं प्रतिभा किरण योजना के लिए स्कॉलरशिप पोर्टल 2.0 पुनः खोला है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में गांव की बेटी एवं प्रतिभा किरण योजना का लाभ पाने से वंचित रह गई बेटियां, अब स्कॉलरशिप पाने के लिए दोबारा आवेदन कर सकेंगी। उधर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2025-26 में उक्त दोनों योजनाओं का लाभ पाने से वंचित छात्राएं, छात्रवृत्ति के लिए दोबारा आवेदन कर सकेंगी। छात्राओं को गांव की बेटी योजना एवं प्रतिभा किरण योजना के नवीन एवं नवीनीकरण के लिए, स्कॉलरशिप पोर्टल 2.0 पर आवेदन करना होगा। पोर्टल पर आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 मई 2026 हैं।

बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

नवभारत न्यूज़

खंडवा। एंजेल प्लैनेट स्कूल की कक्षा 10वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। इस वर्ष का परिणाम अत्यंत सराहनीय रहा, जिसमें अधिकांश छात्र-छात्राओं ने उच्च अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित की है।

विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि को विद्यार्थियों के परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का सामूहिक परिणाम बताया है ।परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले टॉपर्स की सूची में दिव्यानी सोनी 94.8 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम रहीं। उनके साथ ही मन्मय संतवानी ने 94 प्रतिशत, रक्षित जैन और यशराज कुमार ने 93 प्रतिशत, वरद सोनी ने 90.6 प्रतिशत, साक्षी सोलंकी ने 88.6 प्रतिशत, जय पटेल ने 88.2 प्रतिशत, प्रीतांशी जायसवाल ने 86.2 प्रतिशत और अंशुल सोनी ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अन्य प्रमुख सफल विद्यार्थियों में साक्षी गुरुबक्शानी, नव्या यदुवंशी, देवेश राय, पलक मौर्य और सुशांत घुले शामिल हैं। इस शानदार सफलता पर विद्यालय के निदेशकों रितेश गोयल, प्रमोद पुरी, दर्पण सकलेचा, राधेश्याम अग्रवाल, मोहनीश तिवारी, अखिलेश गुप्ता, अशोक गुप्ता, प्रशांत कोचर, राकेश गुलाटी, राजेश खत्री एवं अशोक नावानी ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। प्राचार्या डोना ईम्स ने विद्यार्थियों के निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के जज्बे की सराहना की। वहीं समन्वयक शोफाली गंगराडे एवं समस्त शिक्षक स्टाफ ने भी छात्र-छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके सुनहरे करियर की कामना की है। विद्यालय परिवार ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

एक नजर में

मोरटक्का की महिलाओं ने बदली अपनी तकदीर

आटे के दीपक का नवाचार से बनाई पहचान

नवभारत न्यूज

खंडवा। जहां एक ओर महिलाएं रोजगार के अवसरों की तलाश में भटकती हैं, वहीं ओंकारेश्वर क्षेत्र के ग्राम मोरटक्का की महिलाओं ने खुद ही रोजगार का रास्ता तैयार कर एक मिसाल कायम की है।

मां नर्मदा आजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी इन महिलाओं ने परंपरा, पर्यावरण और आत्मनिर्भरता को जोड़ते हुए आटे के दीपक का नवाचार अपनाया और अपनी पहचान बना ली है। समूह की अध्यक्ष विजया जोशी के नेतृत्व में शुरू हुआ यह छोटा सा प्रयास अब आय का स्थायी स्रोत बन चुका है। पहले जहां महिलाएं घर तक सीमित थीं, अब वे उत्पादन, पैकेजिंग और बिक्री जैसे कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इससे न केवल उनकी आमदनी बढ़ी है, बल्कि आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ है। ओंकारेश्वर आने वाले श्रद्धालुओं के बीच इन आटे के दीपकों की मांग लगातार बढ़ रही है।

महिलाएं खुद दुकानों तक पहुंचकर अपने उत्पाद उपलब्ध करा रही हैं, जिससे उन्हें बाजार की समझ भी विकसित हो रही है। लखपति दीदी योजना के तहत मिली मदद और प्रशिक्षण ने इनके प्रयासों को नई दिशा दी है।इस पहल की खास बात यह है कि यह केवल कमाई का जरिया नहीं, बल्कि सोच में बदलाव की कहानी भी है। महिलाओं ने यह साबित कर दिया कि यदि अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार सकती हैं, बल्कि समाज और पर्यावरण के लिए भी सकारात्मक योगदान दे सकती हैं। मोरटक्का की इन महिलाओं की यह यात्रा बताती है कि छोटे-छोटे कदम भी बड़ी सफलता की कहानी लिख सकते हैं।

संबल योजना में श्रमिक की मौत के बाद आयु में संशोधन पर लगी रोक

नवभारत न्यूज

खण्डवा। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के तहत पंजीकृत श्रमिकों की आयु संबंधी विसंगतियों को दूर करने के लिए राज्य शासन ने नए और सख्त निर्देश जारी किए हैं। श्रम विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अब किसी भी पंजीकृत श्रमिक की मृत्यु हो जाने के बाद उसकी जन्म तिथि या आयु में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जा सकेगा।

श्रम विभाग के अपर सचिव संजय कुमार के अनुसार, संबल पोर्टल पर श्रमिक की आयु की गणना पूरी तरह से समग्र पोर्टल में दर्ज जन्मतिथि के आधार पर की जाती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि समग्र पोर्टल पर हितग्राही की मौत की जानकारी देने से पहले उसकी आयु का सूक्ष्म परीक्षण करना अनिवार्य होगा। एक बार सिस्टम में प्रविष्टि के बाद पोर्टल आयु परिवर्तन की अनुमति नहीं देगा। किसी जीवित श्रमिक की आयु पोर्टल पर गलत दर्ज है, तो उसमें सुधार के लिए आवेदन केवल आईटी विभाग के माध्यम से ही होगा। किसी भी अन्य माध्यम या प्रक्रिया से किया गया आयु संशोधन मान्य नहीं होगा। शासन का यह कदम योजना के तहत मिलने वाले लाभों में पारदर्शिता लाने और किसी भी संभावित हेरफेर को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है।